

HINDI FILE



DREAM
FOR NATION



DARE
TO SERVE



DELIVER
WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : SEPTEMBER 7, 2026



Comprehensive
Coverage



Exam-Focused
Analysis



Concept Clarity
& Insights



Practice MCQs
with Explanation



Daily Updates,
Better Results



CONTACT INFO:

+91 92896 33341 | +91 96679 33341



EMAIL ID:

info@sixsigmaias.com



WEB PAGE:

www.sixsigmaias.com



ADDRESS:

C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

प्रश्न 1: असहयोग आंदोलन (1920-22) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह पहली बार था जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर पूर्ण स्वतंत्रता (पूर्ण स्वराज) के लक्ष्य को अपनाया था।
2. इस आंदोलन के कारण कुछ प्रांतों में समानांतर सरकारों की स्थापना हुई, जिससे स्थानीय स्तर पर औपनिवेशिक सत्ता को चुनौती मिली।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) दोनों
- (c) कोई नहीं
- (d) निर्धारित नहीं किया जा सकता

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने असहयोग आंदोलन के दौरान नहीं, बल्कि लाहौर अधिवेशन (1929) में 'पूर्ण स्वराज' को अपना आधिकारिक लक्ष्य बनाया था।
- **कथन 2 सही है:** यद्यपि समानांतर सरकारें भारत छोड़ो आंदोलन (1942) के दौरान प्रमुख हुईं, लेकिन स्थानीय स्वशासन के प्रारंभिक प्रयोग (राष्ट्रीय विद्यालय, मध्यस्थता अदालतें, औपनिवेशिक संस्थानों का बहिष्कार) असहयोग आंदोलन के दौरान ही उभरने लगे थे।

इसलिए, केवल एक कथन सही है।

प्रश्न 2: पारिस्थितिक बहाली (Ecological Restoration) के संदर्भ में अक्सर देखे जाने वाले शब्द "सहायक प्राकृतिक पुनरुत्पादन (Assisted Natural Regeneration - ANR)" का सबसे अच्छा वर्णन निम्नलिखित में से कौन सा है?

- (a) खराब हो चुके वनों में बायोमास की रिकवरी तेज करने के लिए तेजी से बढ़ने वाली विदेशी प्रजातियों का वृक्षारोपण करना।

(b) खराब हो चुकी वन भूमि की सुरक्षा और प्रबंधन करना ताकि प्राकृतिक बीज बैंक और जड़ें (rootstock) वनस्पति को पुनर्जीवित कर सकें।

(c) मोनोकल्चर वृक्षारोपण में पारिस्थितिक संतुलन बहाल करने के लिए आनुवंशिक रूप से संशोधित (genetically modified) पौधों को लगाना।

(d) बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के खराब हो चुके पारिस्थितिकी तंत्र को स्वतः ठीक होने देना।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

सहायक प्राकृतिक पुनरुत्पादन (ANR) एक बहाली दृष्टिकोण है जो निम्नलिखित पर केंद्रित है:

- खराब हो चुके स्थलों को बाहरी बाधाओं (चराई, आग, कटाई) से बचाना।
- प्रतिस्पर्धी वनस्पतियों का प्रबंधन करना।
- मौजूदा बीजों, जड़ों और मिट्टी के बीज बैंकों से पुनरुत्पादन की अनुमति देना।

यह इनसे भिन्न है:

- सक्रिय वनीकरण (विकल्प a)
- निष्क्रिय प्राकृतिक रिकवरी (विकल्प d), क्योंकि ANR में न्यूनतम लेकिन लक्षित मानवीय सहायता शामिल होती है।

प्रश्न 3: भारत में मौद्रिक नीति ढांचे (Monetary Policy Framework) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. 4 pm 2 प्रतिशत का मुद्रास्फीति लक्ष्य वैधानिक प्रावधानों के तहत भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा संयुक्त रूप से निर्धारित किया जाता है।
2. लगातार तीन तिमाहियों तक मुद्रास्फीति लक्ष्य प्राप्त करने में विफल रहने पर आरबीआई कानूनी रूप से सरकार को सार्वजनिक स्पष्टीकरण और उपचारात्मक योजना प्रस्तुत करने के लिए बाध्य है।
3. मौद्रिक नीति समिति (MPC) में केवल भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नामित सदस्य शामिल होते हैं।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** आरबीआई अधिनियम (2016 में संशोधित) के तहत आरबीआई के परामर्श से भारत सरकार द्वारा मुद्रास्फीति लक्ष्य अधिसूचित किया जाता है।
- **कथन 2 सही है:** यदि मुद्रास्फीति लगातार तीन तिमाहियों तक 2-6% के दायरे से बाहर रहती है, तो आरबीआई को कारणों और उपचारात्मक उपायों की व्याख्या करते हुए सरकार को रिपोर्ट देनी होगी।
- **कथन 3 गलत है:** एमपीसी में छह सदस्य होते हैं – तीन आरबीआई से और तीन भारत सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

इस प्रकार, केवल दो कथन सही हैं।

प्रश्न 4: भारत में धन विधेयकों (Money Bills) की विधायी प्रक्रिया के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इस पर लोकसभा अध्यक्ष का निर्णय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा न्यायिक समीक्षा के अधीन है।
2. धन विधेयक केवल लोकसभा में पेश किया जा सकता है, लेकिन इसकी शुरुआत किसी मंत्री या निजी सदस्य (Private Member) में से किसी के भी द्वारा की जा सकती है।
3. राज्यसभा धन विधेयक में संशोधन की सिफारिश कर सकती है लेकिन उसे अस्वीकार या संशोधित नहीं कर सकती।
4. यदि राज्यसभा चौदह दिनों के भीतर धन विधेयक वापस नहीं करती है, तो इसे दोनों सदनों द्वारा पारित माना जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) चारों

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** अनुच्छेद 110(3) अध्यक्ष के निर्णय को अंतिम घोषित करता है; प्रारंभिक परीक्षा की परंपरा के अनुसार इसे न्यायिक समीक्षा के अधीन नहीं माना जाता है।
- **कथन 2 गलत है:** धन विधेयक केवल एक मंत्री द्वारा पेश किया जा सकता है, निजी सदस्य द्वारा नहीं।
- **कथन 3 सही है:** राज्यसभा केवल संशोधनों की सिफारिश कर सकती है; वह धन विधेयक को अस्वीकार या संशोधित नहीं कर सकती।
- **कथन 4 सही है:** यदि राज्यसभा 14 दिनों के भीतर विधेयक वापस नहीं करती है, तो इसे पारित माना जाता है।

इसलिए, केवल दो कथन सही हैं।

प्रश्न 5 (कथन-कारण)

कथन (A): दक्षिण अटलांटिक महासागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवात (Tropical Cyclones) शायद ही कभी बनते हैं।

कारण (R):

1. दक्षिण अटलांटिक में समुद्र की सतह का तापमान आमतौर पर चक्रवात बनने (cyclogenesis) के लिए आवश्यक सीमा से कम होता है।
2. दक्षिण अटलांटिक के ऊपर ऊर्ध्वाधर पवन अपरूपण (Vertical wind shear) अधिक होता है, जो चक्रवात के विकास को रोकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

(a) A सही है और R1 और R2 दोनों सही हैं, और दोनों A की व्याख्या करते हैं।

(b) A सही है लेकिन R1 या R2 में से केवल एक ही A की व्याख्या करता है।

(c) A सही है लेकिन न तो R1 और न ही R2, A की व्याख्या करता है।

(d) A गलत है लेकिन R1 या R2 में से कम से कम एक सही है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

दक्षिण अटलांटिक उन कुछ महासागर घाटियों में से एक है जहाँ लगभग कोई उष्णकटिबंधीय चक्रवात नहीं आते क्योंकि:

- चक्रवात बनने के लिए आमतौर पर समुद्र की सतह का तापमान (SST) $\geq 26^{\circ}\text{C}$ होना चाहिए।
- इस क्षेत्र में आमतौर पर ठंडा पानी होता है (अपवेलिंग और धाराओं के कारण)।
- ऊर्ध्वाधर पवन अपरूपण (Vertical wind shear) अपेक्षाकृत मजबूत होता है।

ये दोनों कारक सीधे चक्रवात बनने की प्रक्रिया को रोकते हैं। इसलिए, दोनों कारण कथन की सही व्याख्या करते हैं।

दैनिक अभ्यास प्रश्न - करंट अफेयर्स अनुभाग से

Q1. SAVE अमेरिका अधिनियम (SAVE America Act) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह कानून संघीय चुनावों में मतदाता पंजीकरण के लिए अमेरिकी नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण (Documentary Proof) प्रस्तुत करना अनिवार्य बनाने का प्रयास करता है, जिससे मतदाता पंजीकरण की पात्रता को केवल सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र रखने से अलग माना जा सके।
2. इसका प्रस्तावित नागरिकता-सत्यापन तंत्र राज्यों को संघीय आव्रजन अधिकारियों के साथ मतदाता सूची का मिलान करने की अनुमति देगा, लेकिन यह अधिनियम स्वयं ऐसे मिलान द्वारा चिह्नित प्रत्येक व्यक्ति को कानूनी रूप से अयोग्य मतदाता में परिवर्तित नहीं करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (c) 1 और 2 दोनों

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** Safeguard American Voter Eligibility (SAVE America) Act का मुख्य उद्देश्य संघीय चुनावों में मतदाता पंजीकरण और मतदान मानदंडों को कड़ा करना है। इसके तहत केवल पहचान पत्र होना ही काफी नहीं है, बल्कि नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य किया गया है। पहचान पत्र व्यक्ति की पहचान (Identity) सिद्ध करता है, जबकि नागरिकता का प्रमाण उसकी मताधिकार पात्रता (Electoral Eligibility) सिद्ध करता है।
- **कथन 2 सही है:** यह ढांचा राज्यों को होमलैंड सुरक्षा विभाग (DHS) जैसे संघीय डेटाबेस से मतदाता सूचियों का मिलान करने का अधिकार देता है। हालांकि, केवल डेटाबेस में नाम फ्लैग होने का अर्थ यह नहीं है कि संबंधित व्यक्ति को स्वतः ही अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा; इसके लिए उचित प्रशासनिक/न्यायिक प्रक्रिया की आवश्यकता होती है।

Q2. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प पुनर्योजी कृषि (Regenerative Agriculture) के अंतर्निहित पारिस्थितिक तर्क को सर्वोत्तम रूप से व्यक्त करता है?

- (a) कटाई के बाद पारिस्थितिक क्षति की भरपाई करते हुए बाहरी आगतों (inputs) के गहन उपयोग के माध्यम से कृषि उत्पादन को अधिकतम करना।
- (b) सभी प्रकार के यांत्रिक हस्तक्षेपों को समाप्त करके कृषि भूमि को उसकी मौजूदा पारिस्थितिक स्थिति में बनाए रखना।
- (c) मृदा जुताई में कमी, निरंतर मृदा आवरण और फार्म-स्तरीय विविधीकरण जैसे अभ्यासों के माध्यम से मृदा जैविक प्रक्रियाओं, पोषक तत्व चक्र, जल धारण क्षमता और जैव विविधता को पुनर्स्थापित और उन्नत करना।
- (d) फसल आधारित कृषि को एकीकृत पशुधन उत्पादन से प्रतिस्थापित करना ताकि पोषक चक्र बाहरी कृषि आगतों से स्वतंत्र हो जाए।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **पुनर्योजी कृषि (Regenerative Agriculture)** केवल जैविक खेती (Organic Farming) तक सीमित नहीं है, न ही इसका उद्देश्य केवल रसायनों को हटाना है। इसका मुख्य जोर पारिस्थितिक

तंत्र, विशेषकर मृदा स्वास्थ्य और जैव विविधता के सक्रिय पुनरुद्धार और संवर्धन (Restoration and Enhancement) पर है।

- **प्रमुख अभ्यास:** न्यूनतम जुताई (Reduced Tillage), निरंतर मृदा आवरण (Soil Cover), आवरण फसलें (Cover Crops), मल्लिचंग, फसल-पशुधन एकीकरण (Crop-Livestock Integration), और कृषि वानिकी (Agroforestry)।
- **अंतर समझें:** टिकाऊ कृषि (Sustainable Agriculture) मौजूदा पारिस्थितिक उत्पादन को बनाए रखने पर जोर देती है, जबकि पुनर्योजी कृषि (Regenerative Agriculture) पारिस्थितिक कार्यों को सक्रिय रूप से बेहतर और पुनर्जीवित करती है।

Q3. अभ्यास उदार शक्ति 2026 (Exercise Udara Shakti 2026) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह भारत और मलेशिया के बीच एक द्विपक्षीय अभ्यास है, जो बहुपक्षीय आसियान (ASEAN) सैन्य अभ्यास के बजाय मुख्य रूप से सामरिक हवाई युद्ध सहयोग के इर्द-गिर्द तैयार किया गया है।
2. विभिन्न देशों के विमानों की भागीदारी 'असमान हवाई-युद्ध प्रशिक्षण' (Dissimilar Air-Combat Training) का अवसर प्रदान करती है, जिससे भाग लेने वाले बलों को एकल विमान पारिस्थितिकी तंत्र से परे परिचालन क्षमताओं का अनुभव मिलता है।
3. इस अभ्यास में भारत की भागीदारी ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 'एक्सरसाइज पिच ब्लैक' (Exercise Pitch Black) के बाद हुई, और भारतीय लड़ाकू संपत्तियों का बिना अपने होम बेस पर लौटे दक्षिण-पूर्व एशिया की ओर बढ़ना अभियानगत परिचालन पहुंच (Expeditionary Operational Reach) को दर्शाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं? (a) केवल एक

- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (c) सभी तीन

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** यह भारतीय वायु सेना (IAF) और रॉयल मलेशियाई वायु सेना (RMAF) के बीच एक द्विपक्षीय सामरिक वायु-युद्ध अभ्यास है। यह आसियान (ASEAN) का बहुपक्षीय अभ्यास नहीं है।
- **कथन 2 सही है:** इसमें Dissimilar Aircraft Combat Training (DACT) शामिल है, जहाँ भारतीय राफेल (Rafale) और मलेशिया के Su-30MKM व F/A-18D हॉर्नेट जैसे विभिन्न लड़ाकू पोतों का एक साथ अभ्यास कराया गया।
- **कथन 3 सही है:** ऑस्ट्रेलिया में 'पिच ब्लैक 2026' के तुरंत बाद भारतीय विमानों का सीधे मलेशिया पहुँचना IAF की रसद क्षमता, त्वरित तैनाती और अभियानगत पहुँच (Expeditionary Capability) को प्रदर्शित करता है।

Q4. राष्ट्रव्यापी क्लाउड और एआई कौशल पहल (Nationwide Cloud and AI Skilling Initiative) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक त्रि-स्तरीय (Tiered) मॉडल अपनाता है जिसमें एक बड़े समूह को मूलभूत डिजिटल/क्लाउड ज्ञान मिलता है, जबकि एक छोटे चयनित समूह को गहन, समूह-आधारित तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाता है।
2. यह पहल विशेष रूप से महानगरीय प्रौद्योगिकी केंद्रों के लिए डिज़ाइन की गई है क्योंकि इसका मुख्य उद्देश्य पहले से स्थापित प्रौद्योगिकी क्लस्टरों को विशेष एआई पेशेवरों की आपूर्ति बढ़ाना है।
3. यह कार्यक्रम प्रमाणन और रोजगार-उन्मुख तंत्र के साथ तकनीकी प्रशिक्षण को जोड़ता है, जिससे कौशल विकास को श्रम-बाजार की भागीदारी के साथ जोड़ा जा सके।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं? (a) केवल एक

- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b) केवल दो (कथन 1 और 3 सही हैं, कथन 2 गलत है)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** इस पहल की दो-स्तरीय संरचना है—प्रथम स्तर पर 1,50,000 शिक्षार्थियों को मूलभूत क्लाउड व एआई ज्ञान दिया जाएगा, और इनमें से चयनित 10,000 योग्य उम्मीदवारों को 'AWS re/Start' कार्यक्रम के तहत गहन नौकरी-उन्मुख प्रशिक्षण मिलेगा।
- **कथन 2 गलत है:** यह पहल विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों तथा गैर-महानगरीय क्षेत्रों के युवाओं को तकनीक से जोड़ने के लिए बनाई गई है।
- **कथन 3 सही है:** यह केवल ऑनलाइन कोर्स तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यावहारिक प्रशिक्षण, AWS प्रमाणन सहायता, हैकैथॉन और रोजगार/साक्षात्कार के अवसर भी प्रदान करता है।

Q5. 'आईएनएस मंगरोल' (INS Mangrol) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मंगरोल 'माहे वर्ग' (Mahe Class) के एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट से संबंधित है और इसका मुख्य उद्देश्य तटीय व उथले पानी के वातावरण में पनडुब्बी रोधी अभियानों को अंजाम देना है।
2. इसकी प्रणोदन प्रणाली (Propulsion System) वाटरजेट्स का उपयोग करती है, जो उथले पानी में गतिशीलता में योगदान करती है और पानी के भीतर ध्वन्यात्मक हस्ताक्षरों (Acoustic Signatures) को कम करने में भी मदद कर सकती है।
3. यह पोत केवल पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसलिए माइन वारफेयर (Mine Warfare) या अन्य कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों (LIMO) के लिए प्रासंगिक नहीं है।
4. मंगरोल को कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL) द्वारा आठ पोतों के अनुबंध के तहत बनाया गया था और इसमें 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी प्रणालियाँ और घटक शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं? (a) केवल एक

- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल तीन (कथन 1, 2 और 4 सही हैं, कथन 3 गलत है)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** आईएनएस मंगरोल माहे-क्लास (ASW-SWC) का तीसरा पोत है, जिसे उथले तटीय पानी में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने और नष्ट करने के लिए बनाया गया है।

- **कथन 2 सही है:** इसमें पारंपरिक प्रोपेलर के स्थान पर समुद्री डीजल इंजन के साथ **वाटरजेट्स (Waterjets)** का उपयोग किया गया है, जो उथले पानी में उच्च गतिशीलता देता है और पानी के नीचे शोर (Acoustic Noise) को कम करता है।
- **कथन 3 गलत है:** यह केवल (Solely) पनडुब्बी रोधी भूमिका तक सीमित नहीं है; यह माइन लेइंग (Mine Warfare), तटीय निगरानी और कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों (Low-Intensity Maritime Operations) में भी पूरी तरह सक्षम है।
- **कथन 4 सही है:** इसे कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL) द्वारा निर्मित किया गया है और इसमें 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है।

Q6. निम्नलिखित भौगोलिक विशेषताओं पर विचार कीजिए:

1. यह उत्तरी अटलांटिक महासागर की एक गर्म महासागरीय धारा (Warm Ocean Current) है।
2. यह मेक्सिको की खाड़ी-कैरेबियाई क्षेत्र से जुड़ी उत्तरी अटलांटिक ड्रिफ्ट प्रणाली के विस्तार के रूप में उत्पन्न होती है और आमतौर पर उत्तर-पूर्व की ओर बहती है।
3. यह पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी यूरोप की जलवायु पर एक महत्वपूर्ण समकारी/शीतोष्ण प्रभाव (Moderating Influence) डालती है।

निम्नलिखित में से किस महासागरीय धारा का वर्णन किया जा रहा है? (a) कैनरी धारा (Canary Current)

(b) लेब्राडोर धारा (Labrador Current)

(c) गल्फ स्ट्रीम (Gulf Stream)

(d) बेंगुएला धारा (Benguela Current)

उत्तर: (c) गल्फ स्ट्रीम (Gulf Stream)

व्याख्या:

- **गल्फ स्ट्रीम (Gulf Stream)** उत्तरी अटलांटिक महासागर की एक शक्तिशाली गर्म धारा है। यह उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों से गर्म पानी को उत्तर-पूर्व की ओर ले जाती है, जिससे पश्चिमी यूरोप का तापमान समान अक्षांशों की तुलना में काफी हल्का व सहनीय बना रहता है।
- **अन्य विकल्प (ठंडी धाराएं):**
 - **कैनरी धारा:** अफ्रीका के उत्तर-पश्चिम तट के साथ दक्षिण की ओर बहने वाली ठंडी धारा।

- **लेब्राडोर धारा:** आर्किटेक से दक्षिण की ओर कनाडा/न्यूफाउंडलैंड के तट पर बहने वाली ठंडी धारा।
- **बेंगुएला धारा:** अफ्रीका के दक्षिण-पश्चिम तट के साथ उत्तर की ओर बहने वाली ठंडी धारा।

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

सामान्य अध्ययन (GS) पेपर 1 (भूगोल)

प्रश्न 1. भारत में मानसूनी वर्षा के असमान वितरण के लिए उत्तरदायी कारकों की चर्चा कीजिए। यह परिवर्तनशीलता कृषि और क्षेत्रीय विकास को कैसे प्रभावित करती है?

उत्तर:

भारत की मानसूनी वर्षा भौगोलिक और वायुमंडलीय कारकों की जटिल परस्पर क्रिया के कारण स्पष्ट स्थानिक और कालिक असमानता प्रदर्शित करती है।

उत्तरदायी कारक:

1. उच्चावच और स्थलाकृति (Relief and Orography):

पश्चिमी घाट और हिमालय इसमें निर्णायक भूमिका निभाते हैं। पश्चिमी घाट का पवनमुखी (windward) ढाल भारी वर्षा प्राप्त करता है, जबकि विमुख (leeward) दक्कन का पठार वृष्टि-छाया क्षेत्र में आता है। इसी प्रकार, हिमालय मानसूनी हवाओं को रोकता है, जिससे पूर्वोत्तर राज्यों में भारी वर्षा होती है।

2. समुद्र से दूरी (महाद्वीपीयता):

केरल और कोंकण जैसे तटीय क्षेत्रों में प्रचुर वर्षा होती है, जबकि राजस्थान जैसे आंतरिक क्षेत्रों में बहुत कम वर्षा होती है।

3. मानसून द्रोणी (Trough) की स्थिति:

अंतः-उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र (ITCZ) और मानसून द्रोणी के खिसकने से वर्ष-दर-वर्ष वर्षा में परिवर्तनशीलता आती है।

4. चक्रवातीय विक्षोभ और अवदाब (Depressions):

बंगाल की खाड़ी के अवदाब पूर्वी और मध्य भारत में वर्षा को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं।

5. जलवायु परिवर्तन और एल-नीनो (ENSO):

एल-नीनो की घटनाएँ अक्सर मानसून को कमजोर करती हैं, जिससे सूखे की स्थिति उत्पन्न होती है।

कृषि पर प्रभाव:

- **वर्षा आधारित कृषि:** कुल बोए गए क्षेत्र का लगभग 50% अत्यधिक संवेदनशील हो जाता है।
- **फसल की विफलता:** असमान वर्षा के कारण बृंदेलखंड और मराठवाड़ा जैसे सूखा प्रवण क्षेत्रों में फसलें बर्बाद हो जाती हैं।
- **बाढ़ प्रवण क्षेत्र:** असम और बिहार जैसे क्षेत्रों में फसलों को नुकसान और मृदा अपरदन (soil erosion) का सामना करना पड़ता है।
- **अनिश्चितता:** फसल चक्र और बुवाई का समय अनिश्चित हो जाता है।

क्षेत्रीय विकास पर प्रभाव:

- क्षेत्रीय असमानता को बढ़ावा मिलता है।
- शुष्क क्षेत्रों में जल की कमी से उद्योग और शहरी विकास प्रभावित होते हैं।
- सूखा प्रवण क्षेत्रों से पलायन (migration) बढ़ता है।
- जलविद्युत उत्पादन में उतार-चढ़ाव आता है।

निष्कर्ष:

मानसून की परिवर्तनशीलता से निपटने के लिए सूक्ष्म सिंचाई, जलछाजन प्रबंधन (watershed management), जलवायु-अनुकूल फसलों और बेहतर पूर्वानुमान की आवश्यकता है। दीर्घकालिक लचीलापन एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन और जलवायु-अनुकूल योजना में निहित है।

सामान्य अध्ययन (GS) पेपर 2 (राजव्यवस्था एवं शासन)

प्रश्न 2. भारत में सहकारी संघवाद के महत्व का परीक्षण कीजिए। राजकोषीय संघवाद को मजबूत करने में जीएसटी परिषद (GST Council) की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

उत्तर:

सहकारी संघवाद का तात्पर्य केंद्र और राज्यों के बीच एक सहयोगात्मक संबंध से है जिसका उद्देश्य साझा राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करना है। भारत की अर्ध-संघीय संरचना में, 1991 के बाद के सुधार काल में इसे प्रमुखता मिली है।

सहकारी संघवाद का महत्व:

1. **संवैधानिक आधार:** संविधान संघ, राज्य और समवर्ती सूचियों के माध्यम से शक्तियों का वितरण करता है, जबकि अंतर-राज्य परिषद जैसे संस्थानों के माध्यम से समन्वय को प्रोत्साहित करता है।
2. **नीति कार्यान्वयन:** कई प्रमुख योजनाओं (जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि) के लिए केंद्र-राज्य सहयोग की आवश्यकता होती है।
3. **प्रतिस्पर्धी और सहकारी मॉडल:** नीति आयोग जैसे संस्थान राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धा और सहयोग दोनों को बढ़ावा देते हैं।

जीएसटी परिषद की भूमिका:

अनुच्छेद 279A के तहत स्थापित जीएसटी परिषद को अक्सर राजकोषीय संघवाद के सबसे सफल उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जाता है।

प्रमुख योगदान:

- **संयुक्त निर्णय लेना:** केंद्र और राज्य संयुक्त रूप से कर दरों का निर्णय लेते हैं।
- **करों का विलय:** इसने कई करों को समाहित कर एक एकीकृत राष्ट्रीय बाजार बनाया।
- **आम सहमति आधारित कार्यप्रणाली:** अधिकांश निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाते हैं।
- **राजस्व साझाकरण:** मुआवजा तंत्र ने शुरुआत में राज्यों के हितों की रक्षा की।

चुनौतियां:

- मुआवजा उपकर (cess) विवाद।
- मतदान संरचना अभी भी केंद्र को महत्वपूर्ण भार देती है।
- राज्यों की राजकोषीय स्वायत्तता संबंधी चिंताएं।
- कर दरों के युक्तिकरण (rationalization) पर असहमति।

आगे की राह:

- विवाद समाधान तंत्र को मजबूत करना।
- समय पर मुआवजा और विश्वास बहाली सुनिश्चित करना।

- दर-निर्धारण में पारदर्शिता बढ़ाना।
- कम स्लैब के साथ 'जीएसटी 2.0' की ओर बढ़ना।

निष्कर्ष:

जीएसटी परिषद ने सहकारी राजकोषीय संघवाद को गहरा किया है, लेकिन इसकी दीर्घकालिक सफलता के लिए केंद्र और राज्यों के बीच विश्वास बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

सामान्य अध्ययन (GS) पेपर 3 (अर्थव्यवस्था/पर्यावरण)

प्रश्न 3. भारत की ऊर्जा संक्रांति (Energy Transition) उसके जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। अक्षय ऊर्जा के विस्तार में आने वाली चुनौतियों की चर्चा कीजिए और नीतिगत उपायों का सुझाव दीजिए।

उत्तर:

भारत ने 2030 तक 500 GW गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता प्राप्त करने और 2070 तक 'नेट-जीरो' का लक्ष्य रखा है। अक्षय ऊर्जा इस बदलाव के केंद्र में है, फिर भी महत्वपूर्ण बाधाएँ बनी हुई हैं।

प्रमुख चुनौतियाँ:

1. **अनिरंतरता और ग्रिड स्थिरता:** सौर और पवन ऊर्जा परिवर्तनशील हैं, जो ग्रिड संतुलन के लिए चुनौतियाँ पैदा करती हैं।
2. **भूमि अधिग्रहण के मुद्दे:** बड़े सौर पार्कों को भूमि विवादों और पारिस्थितिक चिंताओं का सामना करना पड़ता है।
3. **डिस्कॉम (DISCOMs) का वित्तीय तनाव:** भुगतान में देरी निजी निवेश को हतोत्साहित करती है।
4. **भंडारण की सीमाएं:** बैटरी स्टोरेज अभी भी महंगा है।
5. **आयात पर निर्भरता:** सौर मॉड्यूल और महत्वपूर्ण खनिजों के लिए आयात पर भारी निर्भरता।

नीतिगत उपाय:

- ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मजबूत करना।
- घरेलू विनिर्माण (PLI योजनाओं) को बढ़ावा देना।
- बैटरी स्टोरेज और पंप्ड हाइड्रो में निवेश करना।
- डिस्कॉम के वित्त में सुधार (RDSS योजना)।

- स्मार्ट ग्रिड और पूर्वानुमान उपकरण विकसित करना।
- रूफटॉप सोलर और विकेंद्रीकृत ऊर्जा को प्रोत्साहित करना।

रणनीतिक महत्व:

ऊर्जा संक्रांति से आयात बिल कम होता है, वायु की गुणवत्ता में सुधार होता है और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ती है।

निष्कर्ष:

भारत के अक्षय ऊर्जा अभियान को ग्रिड आधुनिकीकरण, भंडारण विस्तार और वित्तीय सुधारों का समर्थन मिलना चाहिए। वहनीयता, विश्वसनीयता और स्थिरता सुनिश्चित करने वाला एक संतुलित संक्रमण आवश्यक है।

सामान्य अध्ययन (GS) पेपर 4 (नीतिशास्त्र)

प्रश्न 4. एक जिला मजिस्ट्रेट पर प्रभावशाली समूहों द्वारा एक बड़ी निवेश परियोजना के लिए पर्यावरणीय मानदंडों को शिथिल करने का दबाव डाला जाता है जो रोजगार का वादा करती है। इसमें शामिल नैतिक मुद्दों की चर्चा कीजिए और कार्रवाई का एक तरीका सुझाएं।

उत्तर:

यह मामला विकास और पर्यावरणीय नैतिकता के बीच एक क्लासिक दुविधा को दर्शाता है, जो एक सिविल सेवक की अखंडता और नैतिक साहस का परीक्षण करता है।

शामिल नैतिक मुद्दे:

1. **विकास और स्थिरता के बीच संघर्ष:** जबकि परियोजना नौकरियों का वादा करती है, पर्यावरणीय मानदंडों में ढील दीर्घकालिक पारिस्थितिक नुकसान पहुंचा सकती है।
2. **अखंडता बनाम बाहरी दबाव:** प्रभावशाली समूहों के आगे झुकना निष्पक्षता और कानून के शासन के सिद्धांतों का उल्लंघन होगा।
3. **जनहित बनाम अल्पकालिक लाभ:** पर्यावरणीय गिरावट का प्रतिकूल प्रभाव असुरक्षित समुदायों पर अधिक पड़ता है।
4. **संवैधानिक नैतिकता:** मजिस्ट्रेट को अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) को बनाए रखना चाहिए जिसमें पर्यावरण संरक्षण शामिल है।

कार्रवाई का तरीका:

- **चरण 1: उचित प्रक्रिया का पालन** - सुनिश्चित करें कि पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) मानदंडों का सख्ती से पालन किया जाए।
- **चरण 2: साक्ष्य-आधारित निर्णय** - विशेषज्ञ मूल्यांकन और जन परामर्श लें।
- **चरण 3: पारदर्शिता** - जवाबदेही बनाए रखने के लिए सभी संचारों का दस्तावेजीकरण करें।
- **चरण 4: मध्य मार्ग की तलाश** - हरित अनुपालन, शमन उपायों या परियोजना के पुनर्रचना (redesign) को प्रोत्साहित करें।
- **चरण 5: नैतिक साहस** - यदि उल्लंघन जारी रहता है, तो दबाव के बावजूद मंजूरी देने से इनकार करें।

बनाए रखे जाने वाले मूल्य:

- अखंडता (Integrity)
- वस्तुनिष्ठता (Objectivity)
- जवाबदेही (Accountability)
- सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता
- दृढ़ विश्वास का साहस (Courage of conviction)

निष्कर्ष:

नैतिक शासन के लिए पारिस्थितिक जिम्मेदारी के साथ विकास को संतुलित करने की आवश्यकता है। एक सैद्धांतिक, पारदर्शी और कानून सम्मत दृष्टिकोण ही दीर्घकालिक जनहित में सर्वोत्तम है।

सामयिकी (Current Affairs)

प्रश्न 5. भारत में आर्द्रभूमियों (Wetlands) को तेजी से एक 'राष्ट्रीय सार्वजनिक वस्तु' (National Public Good) के रूप में देखा जा रहा है। उनके पारिस्थितिक और आर्थिक महत्व का परीक्षण कीजिए और उनके प्रभावी संरक्षण के लिए उपाय सुझाइए।

उत्तर:

आर्द्रभूमियाँ—दलदल, झीलें, मेंग्रोव और बाढ़ के मैदान—ऐसी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ प्रदान करती हैं जो 'गैर-वर्जनीय' (non-excludable) और 'गैर-प्रतिद्वंद्वी' (non-rivalrous) हैं, जो उन्हें राष्ट्रीय सार्वजनिक वस्तु मानने का औचित्य प्रदान करती हैं।

पारिस्थितिक महत्व:

1. **जैव विविधता हॉटस्पॉट:** आर्द्रभूमियाँ प्रवासी पक्षियों, मछलियों और स्थानिक प्रजातियों का समर्थन करती हैं।
2. **बाढ़ नियंत्रण:** वे प्राकृतिक स्पंज के रूप में कार्य करती हैं, जो बाढ़ के चरम स्तर को कम करती हैं।
3. **कार्बन पृथक्करण (Carbon Sequestration):** मैंग्रोव जैसी तटीय आर्द्रभूमियाँ प्रमुख 'ब्लू कार्बन सिंक' हैं।
4. **भूजल पुनर्भरण:** वे जल विज्ञान संतुलन बनाए रखती हैं।

आर्थिक महत्व:

- मत्स्य पालन और आजीविका का समर्थन।
- ईको-टूरिज्म (जैसे पक्षी अभयारण्य) को बढ़ावा।
- जल शुद्धिकरण सेवाएँ प्रदान करना।
- आपदा प्रबंधन लागत को कम करना।

प्रमुख खतरे:

- शहरी अतिक्रमण।
- प्रदूषण और यूट्रोफिकेशन।
- आक्रामक प्रजातियाँ (Invasive species)।
- जलवायु परिवर्तन और समुद्र के स्तर में वृद्धि।
- आर्द्रभूमि नियम, 2017 का कमजोर प्रवर्तन।

नीतिगत उपाय:

1. **आर्द्रभूमि सूची और मानचित्रण को मजबूत करना:** रिमोट सेंसिंग और जीआईएस (GIS) का उपयोग करें।
2. **समुदाय-आधारित प्रबंधन:** स्थानीय हितधारकों और पंचायतों को शामिल करें।
3. **शहरी नियोजन में आर्द्रभूमियों को एकीकृत करना:** 'स्पंज सिटी' अवधारणाओं को अपनाएं।
4. **रामसर स्थलों के संरक्षण को बढ़ावा:** समर्पित वित्त पोषण प्रदान करें।
5. **पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए भुगतान (PES):** संरक्षण को प्रोत्साहित करें।

निष्कर्ष:

आर्द्रभूमियों को राष्ट्रीय सार्वजनिक वस्तुओं के रूप में मान्यता देना नीति को 'शोषण' से 'संरक्षण' की ओर ले जाता है। भारत की पारिस्थितिक सुरक्षा और जलवायु लचीलेपन के लिए विज्ञान-आधारित, समुदाय-संचालित संरक्षण रणनीति आवश्यक है।

